

प्रेषक,

सुनील सिंह
अनु सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. अधिष्ठाता,
प्रौद्योगिकी महाविद्यालय,
पतनगर, उधमसिंहनगर।

2. प्राचार्य,
जी०बी०पंत इंजीनियरिंग कालेज,
घुडदीडी (पीडी)।

3. प्राचार्य,
कुमाऊँ इंजीनियरिंग कालेज,
द्वाराहाट (अल्मोड़ा)।

शिक्षा अनुभाग-8 (तकनीकी)

देहरादून: दिनांक २५ जनवरी, 2010

विषय- प्राविधिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत शासकीय सहायता प्राप्त तकनीकी संस्थानों के शिक्षकों एवं समकक्ष संवर्ग को छठे वेतन आयोग की संस्तुति के आधार पर भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में यू०जी०सी० के अनुरूप पदनाम परिवर्तन एवं वेतनमानों को पुनरीक्षित किया जाना।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्राविधिक शिक्षा विभाग के अधीन शासकीय सहायता प्राप्त तकनीकी संस्थान जी०बी०पंत इंजीनियरिंग कालेज, घुडदीडी (पीडी), कुमाऊँ इंजीनियरिंग कालेज, द्वाराहाट (अल्मोड़ा) तथा कालेज ऑफ टेक्नोलॉजी, पतनगर के शिक्षकों एवं समकक्ष संवर्ग को यू०जी०सी०/ए०आई०सी०टी०ई० द्वारा निर्धारित अर्हताधारी संवर्गों को यू०जी०सी० वेतनमान में निम्न तालिका के कॉलम-2 में सद्यत यू०जी०सी० वेतनधारी पदनाम तथा कॉलम-3 में इंगित वर्तमान वेतनमान के स्थान पर कॉलम-4 में इंगित वेतन बैंड/एकेडेमिक ग्रेड में दिनांक 01.01.2006 से निम्नानुसार पुनरीक्षित किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

क्र.सं.	पदनाम	वर्तमान वेतनमान (रु०में) (दिनांक 01.01.2006 से पूर्व)	दिनांक 01.01.2006 से संशोधित वेतनमान/ए.जी.पी. (रुपये में)	
			वेतन बैंड	एकेडेमिक ग्रेड में
1	2	3	4	5
1.	असिस्टेंट प्रोफेसर/समकक्ष	8000-13500	15600-39100	6000
2.	असिस्टेंट प्रोफेसर वरिष्ठ वेतनमान/समकक्ष संवर्ग	10000-15200	15600-39100	7000
3.	असिस्टेंट प्रोफेसर (चयन वेतनमान)/एसोसिएट प्रोफेसर/समकक्ष संवर्ग	12000-18300 दिनांक 01.01.1998 को 5 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर देय वेतन रु० 14940.00	37400-67000	9000
4.	प्रोफेसर/समकक्ष संवर्ग	16400-22400	37400-67000	10000
5.	अधिष्ठाता/समकक्ष	16400-22400	37400-67000	10000

Shi

2- तकनीकी शिक्षा विभाग के नियंत्रणाधीन उक्त संस्थान के शिक्षकों/समकक्ष संवर्ग की शैक्षिक योग्यता विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/ए0आई0सी0टी0ई0 द्वारा निर्धारित मानकानुसार होगी।

3- अनुमन्य वेतनबैण्ड में देय वेतन एवं ए0जी0पी0 (एकेडमिक स्टेड पे) के 3 प्रतिशत की धनराशि वार्षिक वेतन वृद्धि के रूप में देय होगी और यह नान कम्पाउण्डेबल होगा। ए0जी0पी0 के उच्च स्तर पर पहुँचने पर अतिरिक्त वेतन वृद्धि गणना अब वर्तमान में निम्न वेतनमान से उच्च वेतनमान में पदोन्नति हेतु व्यवस्था के अनुरूप होगा और एक वेतनबैण्ड से दूसरे वेतनबैण्ड में वेतन परिवर्तन होने पर कोई अतिरिक्त वेतन वृद्धि अनुमन्य नहीं होगी।

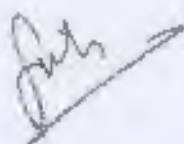
4- वेतनमानों के पुनरीक्षण के कालस्वरूप दिनांक 01 जनवरी, 2006 से 31.03.2009 तक की अवधि के लिए देय अवशेष की धनराशि शिक्षकों/समकक्ष संवर्ग के सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि में जमा की जायेगी। जिन शिक्षकों/समकक्ष संवर्ग का सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि खाते न खुले हों और जो अंशदान पेशन योजना के सदस्य हों, उनका देय बकाया धनराशि से आवश्यक अंशदान तथा आयकर काटकर शेष धनराशि राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में दी जायेगी तथा उक्त धनराशि आगामी तीन वर्षों तक नहीं निकाली जायेगी। आयकर की परिधि में आने वाले शिक्षकों/समकक्ष संवर्ग के सम्बन्ध में वर्णित अवशेषों का आकलन कर नियमानुसार आयकर के स्रोत पर कटौती करने के उपरान्त यदि (1) आयकर 20 प्रतिशत या उससे अधिक देय है तो समस्त आयकर कटौती के उपरान्त अवशेष जो शिक्षकों/समकक्ष के सामान्य भविष्य निधि खाते में जमा की जायेगी, अन्यथा (2) अवशेष पर देय आयकर के 20 प्रतिशत से कम होने की दशा में वार्षिक आयकर की कटौती के उपरान्त समस्त अवशेष धनराशि शिक्षक/समकक्ष के सामान्य भविष्य निधि खाते में जमा की जायेगी।

5- पुनरीक्षित वेतनमान निम्न प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत किए जायेंगे :-

(क) पुनरीक्षित वेतनमानों के कारण भारत सरकार की उक्त योजना के आधार पर दिनांक 01.01.2006 को कार्यरत/भरे पदों के अनुसार दिनांक 01.01.2006 से 31.03.2010 तक कुल व्ययभार का 80 प्रतिशत भारत सरकार तथा 20 प्रतिशत व्ययभार राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त दिनांक 01.01.2006 के उपरान्त भरे गये पदों का तथा दिनांक 01.04.2010 के पश्चात सम्पूर्ण व्ययभार राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।

(ख) उपरोक्त तकनीकी संस्थानों के शिक्षकों एवं समकक्ष संवर्गों हेतु वेतन, वेतन निर्धारण, रिटर्न प्रमोशन ग्रान्ट यू0जी0सी0 के दिशा-निर्देशों के अनुसार जबकि अन्य भले, स्टेडी लीव की व्यवस्थाएँ राज्य सरकार के कर्मियों के सम्मान की वेतन समिति की संरचना के अनुसार अनुमन्य दर एवं तिथि से अनुमन्य होंगे एवं शिक्षकों की अधिवर्षता आयु राज्य कर्मियों की भाँति 60 वर्ष होगी। कन्वेलटेंसी एग्गहन्मेन्ट्स पिछली पी0आर0 सी (पे रिविजन कमेटी) की विस्तृतियों तथा यू0जी0सी0 की अन्य संरचितियाँ भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के पत्रांक-1-32/2006-U.I/U.I(I), दिनांक 31.12.2008 के प्रतर-8(b) से 8(o) में उल्लिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों में से 8 (i) को छोड़कर लागू किया जायेगा।

(ग) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र दिनांक 31.12.2008 के प्रतर-8 (g) में उल्लिखित शर्तें मान्य होंगी।



(vi) उक्त पुनरीक्षित वेतनमान के साथ उपरोक्त तकनीकी महाविद्यालयों/संस्थानों में विशेष वेतन भत्ता देय नहीं होगा।

6- पुनरीक्षित वेतनमानों पर दिनांक 01.01.2006 के पश्चात राज्य सरकार द्वारा समकक्ष पदों/वेतनमानों के लिए समय-समय पर प्रसारित शासनादेशों के अनुसार अनुमन्य भूषणार्थ भत्ता देय होगा।

7- दिनांक 01 जनवरी, 2006 से लागू पुनरीक्षित वेतनमानों में वेतन निर्धारण हेतु शिक्षकों/समकक्ष संवर्ग को निम्नानुसार विकल्प देना होगा:-

- (1) प्रत्येक शिक्षक जो दिनांक 01 जनवरी, 2006 को पूर्णकालिक सेवा में था या वेतन निर्धारण इन आदेशों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा।
- (2) प्रत्येक शिक्षक/समकक्ष संवर्ग वर्तमान में अपनी अगली या किसी अनुवर्ती वेतनवृद्धि की तिथि तक, अथवा उसके पद रिक्त करने या उस वेतनमान में वेतन आहरण करना छोड़ने तक वर्तमान वेतनमान में वेतन प्राप्त करने का विकल्प चुन सकता है।
- (3) सम्बन्धित शिक्षकों/समकक्ष संवर्ग को विकल्प ध्यान लिखित रूप से संलग्नक-1 पर उपलब्ध "विकल्प पत्र का प्रारूप" में देना होगा और यह विकल्प सम्बन्धित शिक्षक/समकक्ष को नियुक्ति प्राधिकारी/वेतन पथी जारी करने वाले अधिकारी, जो भी सम्बन्धित शिक्षक/समकक्ष की सेवा पुस्तिका रखता हो, को इस शासनादेश के जारी होने की तिथि से 90 दिन के अन्दर पहुँच जाना चाहिए।
- (4) उपर्युक्त भीति दिये गये विकल्प की उक्त सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा प्राप्ति स्वीकार की जाएगी।
- (5) अगर सम्बन्धित शिक्षक/समकक्ष का लिखित विकल्प उपर्युक्त प्रस्तर (3) के अनुसार निर्धारित तिथि के अन्दर नहीं प्राप्त होता है तो यह मान लिया जायेगा कि उसे पुनरीक्षित वेतनमान स्वीकार्य है और उसका दिनांक 01.01.2006 से पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन निर्धारित कर दिया जायेगा।
- (6) एक बार जो विकल्प दे दिया जायेगा उसे ही अगति माना जायेगा।
- (7) जिन शिक्षकों की सेवाएँ दिनांक 01.01.2006 को या उसके बाद समाप्त कर दी गयी हो या स्वीकृत पदों की समाप्ति के फलस्वरूप सेवा मुक्त कर दिये गये हों, सेवा त्याग (इसरीफा) अनुशासनहीनता के कारण सेवाभूक्त या बरखास्त किये गये हों, को भी विकल्प की उक्त सुविधा अनुमन्य होगी।
- (8) जो शिक्षक/समकक्ष दिनांक 01.01.2006 को या उसके बाद दिवंगत हो गये और इस कारण निर्धारित समय सीमा के अन्दर पुनरीक्षित वेतनमान के लिए चयन का विकल्प नहीं दे सकें, के मामले में 01.01.2006 या उसके बाद की किसी भी तिथि से, जो भी उसके आश्रितों के लिए लाभप्रद हो, पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन निर्धारण सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा किया जायेगा और बकाया राशि के भुगतान के लिए तत्सम्बन्धी उचित कार्यवाही की जायेगी।

8- पेंशनर को पेंशन एवं ग्रेजुएटी आदि की पेंशन का भुगतान 40 प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2009-10, 30 प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2010-11 तथा अपरेशेष 30 प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2011-12 में राज्य सरकार के नियमों के अनुसार नगद भुगतान किया जायेगा।



9- तकनीकी शिक्षा विभाग के नियंत्रणाधीन उक्त महाविद्यालयों/संस्थानों के शिक्षकों एवं समकक्ष पदों को पुनरीक्षित वेतनमानों में मकान किराया भत्ता एवं अन्य अनुमन्य भत्ते राज्य सरकार द्वारा वेतन समिति की संरक्षित के अनुसार अनुमन्य दरो पर जिस दिनांक से राज्य कर्मचारियों को अनुमन्य किये गये हैं, उसी तिथि से देय होंगे।

10- वार्षिक वेतनवृद्धि के सम्बन्ध में राज्य सरकार के शासनादेशों की भाँति प्रथम वार्षिक वेतनवृद्धि जनवरी व जुलाई में ही देय होगी, लेकिन नियुक्ति/प्रोन्नति/उच्चीकरण की तिथि से कम से कम छ माह का समय पूरा होने पर प्रथम वेतनवृद्धि देय होगी।

11- यदि कोई शिक्षक वर्तमान वेतनमान में दिनांक 01.01.2006 के तुरन्त पहले सर्वग में अपने कनिष्ठ की तुलना में अधिक वेतन पा रहा है तथा पुनरीक्षित वेतनमान में उसका वेतन यदि कनिष्ठ शिक्षक के वेतन से कम निर्धारित होता है तो वरिष्ठ शिक्षक का पुनरीक्षित वेतनमान में वेतन उस कनिष्ठ शिक्षक के बराबर कर दिया जायेगा।

12- कैरियर एडवांसमेंट, पी0एच0डी0/एम0फिल/एम0टैक के लिए प्रोत्साहन आदि के सम्बन्ध में बनाये गये परिनिधनों, अध्यादेशों, नियमों, विनियमों आदि में यथाशीघ्र आवश्यक प्राविधान भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग के पत्रांक-1-32/2006-U.II/U.I(I), दिनांक 31.12.2008 में दी गयी व्यवस्था के अनुसार कार लिये जायेंगे।

13- दिनांक 01.01.2006 से 31.03.2009 तक के एरियर का भुगतान 03 वर्षों में समानुपातिक आधार पर क्रमशः 40, 30, एवं 30 प्रतिशत के आधार पर किया जायेगा तथा दिनांक 01.04.2009 से अवशेष एरियर का भुगतान नगद के रूप में किया जायेगा।

14- यह आदेश वित्त विभाग के असाशकीय संख्या-2709/XXVII(7)/2009 दिनांक 07, जनवरी, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सुनील सिंह)

अनु सचिव।

संख्या एवं दिनांक उपरोक्त।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यकारी हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. सम्पन्न प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. सचिव, मा0 राज्यपाल, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. कुलपति, जी0पी0एम0 कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, धनगढ़, उधमसिंहनगर।
5. स्थानिक आयुक्त, उत्तराखण्ड नई दिल्ली।
6. पुनर्गठन आयुक्त, उत्तराखण्ड विकास भवन, लखनऊ।
7. उप सचिव, उच्च शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उधमसिंहनगर/पौड़ी/रानीखेत।
9. सचिव, यू0जी0सी0 नई दिल्ली।
10. निदेशक, ए0आई0सी0टी0ई0 नई दिल्ली।
11. निदेशक, एम0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. वित्त अनुभाग-3 एवं 7 उत्तराखण्ड शासन।
13. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सुनील सिंह)

अनु सचिव।

विकल्प का प्रारूप

[Signature]